Regarding promotion of Marathi in Universities

श्री रविंद्र दत्ताराम वायकर (मुम्बई उत्तर-पश्चिम) : सभापति महोदय, धन्यवाद ।

महोदय, मराठी भाषा के विकास के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के संदर्भ में मैं निवेदन करना चाहूंगा ।

महोदय, मराठी भारत की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसे 8.3 करोड़ लोग बोलते हैं । इसमें 42 से अधिक उप-भाषाएं प्रचलित हैं । महाराष्ट्र में 12,000 से अधिक मराठी पुस्तकालय हैं, लेकिन इस समृद्ध भाषा के उत्थान और अनुसंधान के लिए अभी तक कोई समर्पित केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित नहीं किया गया है ।

केन्द्र सरकार ने मराठी भाषा को क्लासिकल भाषा का दर्जा प्रदान किया, जो निश्चित रूप से मराठी साहित्य, संस्कृति और भाषा के लिए ऐतिहासिक निर्णय है । जब तमिल भाषा को क्लासिकल भाषा का दर्जा दिया गया, तब केन्द्र सरकार ने the Central Institute of Classical Tamil की स्थापना की है ।

मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि इसी तर्ज पर मुंबई में ?सेंट्रल यूनिवर्सिटी फॉर मराठी स्टडीज़? की स्थापना की जाए, जिसमें मराठी भाषा के संवर्धन, संरक्षण, शोध और उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिले । इसके अलावा मराठी भाषा को ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** श्री राजेश रंजन जी, आप बस अपनी डिमांड रखिएगा, क्योंकि अभी बहुत लोगों को बोलना है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** श्री राजेश रंजन जी ।

राजेश रंजन जी, आप एक मिनट में अपनी बात पूरी कीजिए, क्योंकि बहुत लोगों को बोलना है ।